

संख्या १००  
 दिनांक २२/११/१८

<p>संख्या          दिनांक</p>	<p>हुपम या कार्यवाही का इतिहास जज</p>	<p>नम्बर व तारीख          अहकाम जो इस          हुपम की तामील          में जारी हुए</p>
<p>२२/११/१८</p>	<p>पश्चातनी रोमा वकील पसकार उपस्थित हैं          बहस आठ पत्र सुनी गई। अकाल का          सम्यक अवलोकन किया गया। हस्तागत          अकाल एवं अन्म सि.नं. १८/१८ का          अकाल समान है।          अकाल पर सम्यक विचार किया।          अकाल के गुणावगुण पर मनन किया।          अकाल का धारा २१२ की शर्त समय          पर सम्यक विचार किया गया।          शर्चना पर शर्चनी स्वीकृत किया          जाता है। पश्चातनी के लक्ष सुमार की          आकर हलवाद के साथ संलग्न रहे।</p> <p style="text-align: right;">२२/११/१८          उपखण्ड अधिकारी          रामांजमन्डी</p>	